सी ए सी पी ने दिया तेल की मात्रा को तोरिया-सरसों के समर्थन मूल्य से जोड़ने का सुझाव

कृषि लागत और मूल्य आयोग (सी ए सी पी) ने अपनी 'रबी फ़सलों की मूल्य नीतिः 2022-23 विपणन मौसम' में सुझाव दिया है कि किसानों को प्रोत्साहित करने और तोरिया-सरसों का बुवाई क्षेत्र बढ़ाने के लिए उनके न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम एस पी) को इन फसलों में तेल की मात्रा से जोड़ा जाए।

आयोग ने कहा है, "चूंकि तोरीया और सरसों के बीजों में तेल की मात्रा अलग-अलग किस्मों में व्यापक रूप से भिन्न होती है, इसलिए इन फसलों की उच्च उपज वाली किस्मों के तहत क्षेत्र बढ़ाने और किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए उनके एम एस पी को तेल मात्रा से जोड़ा जा सकता है। विभिन्न हितधारकों के साथ हुई विस्तृत चर्चा के आधार पर, आयोग का विचार है कि तोरिया-सरसों के एम एस पी को बीजों में 35 प्रतिशत की मूल 'तेल मात्रा' से जोड़ा जाना चाहिए, और किसानों को उसके ऊपर हर 0.25 प्रतिशत की वृद्धि के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।"

सी ए सी पी ने यह सुझाव वनस्पति (ज़्यादातर खाद्य) तेलों के आयात पर भारत की अत्यधिक निर्भरता का हवाला देते हुए दिया है। आयोग के अनुसार, भारत का वनस्पति (ज़्यादातर खाद्य) तेल आयात 2011-12 में 46,334 करोड़ रुपये के मूल्य पर लगभग 84 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 2020-21 में करीब 135 लाख टन हो गया है, जिसका मूल्य 82,118 करोड़ रुपये है।

भारत वनस्पति तेलों के आयात पर अत्यधिक निर्भर है, और घरेलू मांग का लगभग 60 प्रतिशत आयात के माध्यम से पूरा किया जाता है। 2020-21 में देश में कुल कृषि आयात में वनस्पति तेलों की हिस्सेदारी लगभग 47.5% थी।

सी ए सी पी की सिफारिशों पर कार्रवाई करते हुए, भारत सरकार की आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सी सी ई ए) ने 2022-23 रबी विपणन मौसम के लिए तोरिया-

सरसों का एम एस पी 5, 050 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया है, जो 2021-22 रबी विपणन मौसम से 400 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। कुसुम का समर्थन मूल्य 114 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर 5,411 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है।

2022-23 रबी विपणन मौसम के लिए तिलहनों का एम एस पी

फ़सल	**2022-23 (रुपए/ क्विंटल)**	**2021-22 (रुपए/ क्विंटल)**	**बढ़ौतरी (रुपए/क्विंटल)**	**बढ़ौतरी प्रतिशत में**
तोरिया-सरसों	5,050	4,650	400	9%
कुसुम	5,411	5,327	114	2%